AH-1403 CV-19

M.A. (Final)

Term End Examination, 2019-20

PHILOSOPHY

Paper-IV (A)

शंकर का अद्वैत वेदान्त

Time: Three Hours **[Maximum Marks: 100]**

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।

Note : Answer all questions. All question carry equal marks.

इकाई / unit-I

1. कारणता–सिद्धांत के रूप में विवर्तवाद की स्पष्ट व्याख्या कीजिए।
Explain clearly Vivartavada as a doctrine of Causation.

अथवा / OR

शंकर के अुनसार माया की अवधारणा का विवेचना कीजिए।
Discuss the concept of MAYA according to Shankara.

इकाई / unit-II

2. 'जन्माद्यस्ययतः' सूत्र के निहितार्थ का विवेचन कीजिए।
Discuss the implication of the Sutra "Janmadyasyayatah".

अथवा / OR

"शास्त्रयोनित्वात" सूत्र की शंकर के अनुसार की गई व्याख्या का वर्णन करें।
Describe Shankara's interpretation of the Sutra "Shastrayonitwat".

इकाई / unit-III

3. शंकर–कृत सांख्य दर्शन के खण्डन को संक्षेप में समझाइये।
Explain in Short Shankara's refulation of Samkhyaphilosophy.

अथवा / OR

शंकर ने बौद्ध के विज्ञानवाद की आलोचना कैसे की ? स्पष्ट कीजिए।
How Shankara Criticize Buddhistic Vugyanavada ? Explain.

इकाई / unit-IV

4. अद्वैत वेदांत के अनुसार ब्रहम के स्वरूप की व्याख्या कीजिए।
Explain the nature of Brahman according to Advaita Vedanta.

अथवा / OR

शंकर के जगत–संबंधी विचारों को संक्षेप में स्पष्ट कीजिए।
Describe briefly the Shankara's views about the world.

इकाई / unit-V

5. रामानुज शंकर के मायावाद का खण्डन किस प्रकार करते है ? समझाइये।
How does Ramanuja refute the Mayavada of Shankara ? Explain.

अथवा / OR

शंकर वेदांत में "साधन चतुष्टय" का क्या महत्व है ? विवेचना करें।
What is the importance of "Sadhan Chatustaya"in Shankara's Vedanta ? Discuss.

http://www.abvvonline.com
http://www.abvvonline.com